

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता, सत्र 18, पॉल में मसीह के साथ एकता, चित्र और विषय, विवाह, नए कपड़े, भरा हुआ और निवास

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन और पवित्र आत्मा तथा मसीह के साथ एकता पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 18 है, पॉल में मसीह के साथ एकता, चित्र और विषय, विवाह, नया वस्त्र, भरा हुआ और निवास।

हम पॉल में मसीह के साथ एकता के अपने अध्ययन को जारी रखते हैं, एकता के उनके चित्रों की खोज करते हैं।

हम विवाह की तस्वीर के निष्कर्ष पर पहुँच चुके हैं। पौलुस ने तीन ग्रंथों में चर्च को विवाह के रूप में मसीह के साथ एकता की अंतरंग तस्वीर दी है, जैसा कि हमने देखा है। यहाँ कुछ निष्कर्ष दिए गए हैं।

परिभाषा। इफिसियों 5:22 से 32 में पौलुस स्पष्ट रूप से मसीहियों, मसीह और विश्वासियों के विवाह के संदर्भ में मसीह के साथ एकता प्रस्तुत करता है। 1 कुरिन्थियों 15:1 कुरिन्थियों 6, क्षमा करें, 15 से 17 में, वह मसीह और कलीसिया के बीच के संबंध को आध्यात्मिक विवाह के रूप में भी बोलता है।

"जो प्रभु से जुड़ जाता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है," 1 कुरिन्थियों 6:17। मसीह दूल्हा और दुल्हन, उसकी कलीसिया के बीच विवाह उनके बीच के अंतर को मिटा नहीं देता। दोनों घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं, लेकिन विवाह रूपक दोनों को भ्रमित नहीं करता है, रहस्यवाद के रूपों के विपरीत जिसमें अनुयायी कथित रूप से देवता में लीन हो जाते हैं।

अंतरंगता। यह मसीह के साथ मिलन की पौलुस की सबसे अंतरंग तस्वीर है, जो पति और पत्नी के बीच सबसे करीबी मानवीय संबंध, विवाह और यौन मिलन की है। अपने सबसे अंतरंग अंश में, वह मानव शरीर और यौन संबंधों पर ध्यान केंद्रित करता है, 1 कुरिन्थियों 6:16।

विश्वासी आध्यात्मिक रूप से विवाह में मसीह से जुड़े होते हैं। कैम्बेल ने अच्छे अनुप्रयोग निकाले हैं। मसीह से विवाह का रूपक, "यौन अनैतिकता से संबंधित नैतिक बाधाओं को रेखांकित करता है, आध्यात्मिक विश्वासघात को रोकता है, और चर्च को अपने पति के अधीन होने की आवश्यकता होती है।"

पवित्र आत्मा। 1 कुरिन्थियों 6 में मसीह के साथ विश्वासी के विवाह के बारे में पौलुस का वर्णन संभवतः पवित्र आत्मा को संदर्भित करता है, "जो प्रभु से जुड़ जाता है, वह उसके साथ एक आत्मा बन जाता है," पद 17। पर्व एक ईसाई और एक वेश्या के बीच यौन संबंध की असंभवता की बात करता है, उद्धरण, क्योंकि विश्वासी का शरीर पहले से ही प्रभु का है, जिसके पुनरुत्थान के माध्यम से उसका शरीर उसकी आत्मा द्वारा मसीह का सदस्य बन गया है।

ऐसा मिलन अकल्पनीय है। अनुग्रह। हमें मसीह के साथ मिलन के विवाह रूपक में परमेश्वर के अनुग्रह के स्थान को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए।

वह ही विवाह की तैयारी करता है। यीशु पहल करता है और रिश्ते को कायम रखता है। उसकी दुल्हन, कलीसिया, उसके स्नेह की वस्तु है और उसकी देखभाल की प्राप्तकर्ता है।

मसीह, उद्धरण, स्वयं शरीर का उद्धारकर्ता है, इफिसियों 5:23, मेरा अनुवाद, जो अपनी दुल्हन से प्रेम करता है और उसके लिए अपने आप को मृत्यु तक दे देता है, पद 25। वह उसके प्रावधान और देखभाल पर उदारता से खर्च करता है, पद 29। यह सब मसीह की अपनी दुल्हन को दिखाए गए अद्भुत अनुग्रह को उजागर करता है।

चर्च मसीह का प्रेम अर्जित नहीं करता। वह पूरी तरह से अपने प्रेमी की ओर से उसके प्रति की गई प्रगति का लाभार्थी है - मसीह, हमारे पति के प्रति वफादारी और आज्ञाकारिता।

पौलुस एक पिता की तरह बोलता है जिसने कुरिन्थियों को एक पति, अर्थात् मसीह से विवाह के लिए विदा किया, 2 कुरिन्थियों 11:2। पौलुस का उद्देश्य कुरिन्थियों को यीशु के दूसरे आगमन पर पवित्रता में प्रस्तुत करना है। पौलुस नहीं चाहता कि उसके पाठक, उद्धरण, मसीह के प्रति शुद्ध भक्ति से भटक जाएँ, उद्धरण समाप्त, पद 3। हमें भी धोखेबाजों और हमें आध्यात्मिक व्यभिचार में बहकाने के उनके प्रयासों से सावधान रहना चाहिए। इसके अलावा, जैसे एक दुल्हन विवाह के बंधन में अपने प्यारे पति के अधीन रहती है, वैसे ही कलीसिया भी अपने प्यारे पति, मसीह के अधीन रहती है, इफिसियों 5:23, 24।

कैम्पबेल के शब्द पॉल के विवाह संबंधी विचारों के हमारे सारांश को उचित रूप से समाप्त करते हैं, उद्धरण, पति और पत्नी का रूपकात्मक मिलन और उनका एक शरीर बन जाना मसीह और चर्च के बीच एक गहन मिलन को दर्शाता है। रूपक व्यक्तिगत है और अंतरंगता के बंधन को दर्शाता है जो पॉल द्वारा मसीह के साथ मिलन को चित्रित करने में उपयोग किए जाने वाले अन्य रूपकों से कहीं आगे जाता है, उद्धरण समाप्त होता है, और यह निश्चित रूप से कैम्पबेल की पुस्तक *पॉल एंड यूनियन विद क्राइस्ट से है*। दो अंशों में दिखाई देने वाली एक छोटी-सी तस्वीर नए कपड़ों की है।

दो अंशों में, पौलुस सीधे मसीह के साथ एकता की बात करता है, जिसमें विश्वासियों द्वारा मसीह को वैसे ही पहनना शामिल है जैसे वे नए कपड़े पहनते हैं, रोमियों 13:14, रोमियों 3:27। दो अंश सीधे मसीह के साथ एकता को दर्शाने के लिए कपड़े पहनने के रूपक का उपयोग करते हैं। पौलुस संकेतात्मक और निर्देशात्मक दोनों का उपयोग करता है।

सबसे पहले, सांकेतिक उद्धरण, आप में से जितने लोगों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है, उन्होंने मसीह को पहन लिया है, उद्धरण समाप्त, गलातियों 3:27। विश्वासियों ने खुद को मसीह के साथ पहना है, वे उसके साथ एकजुट हो गए हैं, और यह ईसाई बपतिस्मा की तस्वीर के तहत है। पॉल भी अनिवार्य का उपयोग करता है, जो उद्धृत करना है, प्रभु यीशु मसीह को पहन लो और शरीर की इच्छाओं को संतुष्ट करने के लिए कोई प्रावधान न करें, जैसा कि रोमियों 13 और 14 में उद्धरण समाप्त होता है।

पॉल पाठकों को मसीह के लिए जीने और उसी तरह जीने के लिए प्रोत्साहित करता है जैसे उसने जिया। हम एक बार और हमेशा के लिए मसीह को पहन लेते हैं, जैसा कि बपतिस्मा में प्रतीक है, लेकिन हम अपने जीवन के बाकी हिस्सों में उस बदले हुए कपड़े को जीते हैं। दो अन्य प्रकार के पाठ अप्रत्यक्ष रूप से मसीह के साथ एकता से संबंधित हैं।

एक तरह का पाठ विश्वासियों को नए ईसाई जीवन शैली को दर्शाने के लिए कपड़े पहनने की बात करता है। इफिसियों 4:21 से 24, कुलुस्सियों 3:9 से 14। उन्हें पुराने तौर-तरीकों को त्यागकर पवित्रता, करुणा और धैर्य के नए गुणों को अपनाना है।

मसीह के साथ एकता से अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित एक अन्य प्रकार का पाठ, विश्वासियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले युगान्तकारी परिवर्तन की ओर संकेत करने के लिए वस्त्र परिवर्तन की भाषा का उपयोग करता है। 1 कुरिन्थियों 15:53, 54. 2 कुरिन्थियों 5:2 से 4. ये पाठ इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि मसीह के वापस आने पर परमेश्वर मसीहियों के लिए क्या करेगा।

वह उन्हें अमरता और अनंत जीवन पहनाएगा। अर्थात्, परमेश्वर उन्हें बदल देगा, उन्हें नई पृथ्वी पर अनंत जीवन के लिए पुनर्जीवित शरीर से सुसज्जित करेगा। मसीह के साथ एकता के बारे में पॉल द्वारा कही गई एक और बात रहस्यमयी भाषा है, जिससे मुझे डर है कि हम अक्सर बचते हैं, जहाँ वह कहता है कि हम विश्वासी सभी परिपूर्णता से भरे हुए हैं।

चार बार पौलुस ने चर्च के बारे में मसीह या परमेश्वर की परिपूर्णता या मसीह या परमेश्वर में या उसके साथ भरे होने के रूप में ऊँचे शब्दों में बात की। दो बार स्पष्ट रूप से और दो बार स्पष्ट रूप से, ये अंश मसीह के साथ एकता से संबंधित हैं। इफिसियों 1:22 और 23.

उसने सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया, जो उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है। इफिसियों 1:22, 23. इफिसियों 3, 19.

लक्ष्य है मसीह के उस प्रेम को जानना जो ज्ञान से परे है ताकि आप परमेश्वर की सारी भरपूरी से परिपूर्ण हो जाएँ। इफिसियों 3:19. इफिसियों 4:13.

एक और लक्ष्य कथन। जब तक हम सब के सब विश्वास और परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान में एकता प्राप्त न कर लें, और मसीह की परिपूर्णता के कद तक परिपक्व मनुष्यत्व प्राप्त न कर लें। इफिसियों 4:13.

और अन्त में, कुलुस्सियों 2:9, और 10. उसमें, अर्थात् मसीह में, परमेश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है। और परमेश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है, और तुम उसमें परिपूर्ण हो गए हो जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है।

कुलुस्सियों 2:9 और 10. इफिसियों 1:22, 23. परमेश्वर ने सब कुछ उसके पैरों तले कर दिया और उसे सब वस्तुओं पर अपना मुखिया बनाकर कलीसिया को दे दिया, जो उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।

मसीह अपने चर्च को दो तरीकों से पूर्णता प्रदान करता है : एक दिए गए पद के रूप में और एक कार्य के रूप में जिसे पूरा किया जाना है। विजयी प्रभु के रूप में जो अपनी शक्तिशाली उपस्थिति से सभी चीजों को भरता है, वह चर्च को पद में परिवर्तन प्रदान करता है।

विजयी प्रभु ऐसा ही करता है। कलीसिया उसमें भर जाती है। कुलुस्सियों 2:10.

और यह पहले से ही उसकी परिपूर्णता है। इफिसियों 1:22. उसी समय मसीह अपनी कलीसिया को पूर्णता प्रदान करता है, एक कार्य के रूप में जिसे पूरा किया जाना है और एक लक्ष्य के रूप में जिसे प्राप्त किया जाना है।

वह प्रार्थना करता है कि इफिसियों का उद्धरण परमेश्वर की सारी परिपूर्णता से भर जाए। इफिसियों 3:19. पौलुस का लक्ष्य है कि अन्य कलीसियाएँ मसीह की परिपूर्णता के कद के माप को प्राप्त करें।

इफिसियों 4:13. ओ'ब्रायन द्वारा इस अंश का सारांश। इफिसियों 1:22, 23 में परिपूर्णता पर दिया गया अंश उद्धरण के योग्य है।

परमेश्वर ने मसीह को चर्च के लिए सभी चीजों का मुखिया बनाया है। ब्रह्मांड पर उसका वर्चस्व उसके लोगों के लाभ के लिए देखा जाता है। चर्च को मसीह का शरीर कहा जाता है।

यह ब्रह्मांड के बारे में नहीं कहा गया है। हं। दिलचस्प बात यह है कि ग्रीक दर्शन में ऐसा कहा गया था।

पद 23 में अंतिम खंड यह अतिरिक्त बिंदु बनाता है कि कलीसिया मसीह की परिपूर्णता है। कुलुस्सियों में, परिपूर्णता शब्द मसीह के लिए लागू किया गया था। यहाँ इफिसियों में, इसका संदर्भ है, और संदर्भ कलीसिया है।

सभी चीजों पर मुखिया के रूप में, मसीह ब्रह्मांड को भरकर अपना संप्रभु शासन चलाता है। लेकिन केवल चर्च ही उसका शरीर है। और वह उस पर शासन करता है।

वह चर्च को एक विशेष तरीके से उसकी आत्मा, अनुग्रह और उपहारों से भर देता है। यह उसकी परिपूर्णता है। मैं बस कुछ अन्य ग्रंथों को पढ़ना चाहता हूँ जो इस रहस्यमय और उपेक्षित विषय के बारे में बात करते हैं।

इफिसियों 3:14 से 19. इसी कारण मैं उस पिता के साम्हने घुटने टेकता हूं, जिस से स्वर्ग और पृथ्वी पर, हर एक घराने का नाम रखा जाता है। वह अपनी महिमा के धन के अनुसार अपने आत्मा से तुम्हारे भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ्य देकर तुम्हें बलवन्त करे।

और विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदयों में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़ कर और नेव डाल कर, सब पवित्र लोगों के साथ भली भांति समझने की शक्ति पाओ; कि उसकी चौड़ाई, और लम्बाई, और ऊंचाई, और गहराई कितनी है, और परमेश्वर के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे है। और परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ।

यह हमारी अभिव्यक्ति है। और फिर इफिसियों 4:11 से 16। और जी उठे मसीह ने प्रेरितों, भविष्यद्वक्ताओं, सुसमाचार प्रचारकों, चरवाहों और शिक्षकों को दिया ताकि वे संतों को मसीह की देह के निर्माण के लिए सेवकाई के कार्य के लिए सुसज्जित करें जब तक कि हम सभी विश्वास की एकता और परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान को प्राप्त न कर लें और मसीह की परिपूर्णता के कद के माप तक परिपक्व मनुष्यत्व प्राप्त न कर लें।

ताकि हम अब और बच्चे न रहें जो लहरों से इधर- उधर फेंके जाते हैं और पकड़े जाते हैं, मनुष्य की चालाकी, चालाकी और छलपूर्ण योजनाओं के द्वारा हर तरह के सिद्धांत की हवा से उड़ाए जाते हैं। बल्कि, प्रेम में सच्चाई बोलते हुए, हमें हर तरह से उसके पास बढ़ना है जो सिर है, मसीह में जिससे पूरा शरीर हर जोड़ से जुड़ा हुआ है और एक साथ रखा गया है जिसके साथ यह सुसज्जित है जब प्रत्येक भाग ठीक से काम कर रहा है तो शरीर बढ़ता है ताकि यह खुद को प्रेम में विकसित करे। और एक और अंश।

मैं इस चित्र के माध्यम से प्रेरित द्वारा बताए गए मुख्य बिंदुओं को संक्षेप में बताने से पहले बस इन बातों को समझना चाहता हूँ। मसीहियों का यह विचार कि वे परमेश्वर की संपूर्णता या मसीह की संपूर्णता से भरे हुए हैं। कुलुस्सियों 2:9 और 10 यीशु में ईश्वरत्व की संपूर्णता को उस संपूर्णता के साथ जोड़ते हैं जो वह अपने लोगों को देता है ताकि वे उसमें पर्याप्त हों, कमी न हो।

क्योंकि मसीह में ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सशरीर वास करती है, और तुम उसमें भरे गए हो जो सारे शासन और अधिकार का मुखिया है। निष्कर्ष। यह शानदार विषय तीन भेदों से प्रकाशित होता है।

सबसे पहले, हम मसीह की परिपूर्णता को उसके चर्च की परिपूर्णता से अलग करते हैं। ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता मसीह में समाहित है। मसीह।

वह देहधारी परमेश्वर की परिपूर्णता है। क्रूस पर चढ़ाए गए पुनर्जीवित प्रभु के रूप में परमेश्वर के दाहिने हाथ पर विराजमान होकर वह सब कुछ में सब कुछ भर देता है। इफिसियों 1:23.

अपनी परिपूर्णता से, ईश्वरीय मानव मसीह कलीसिया को परिपूर्णता प्रदान करता है। उद्धरण, उसमें ईश्वरत्व की संपूर्ण परिपूर्णता शारीरिक रूप से वास करती है और तुम उसमें भर गए हो। उद्धरण बंद करें कुलुस्सियों 2:9, और 10 जैसा कि हमने अभी पढ़ा।

दूसरा, हम सबसे पहले मसीह की पूर्णता को उससे अलग करते हैं जो उसके चर्च के सदस्यों के रूप में हमारे पास है। दूसरा, हम चर्च की पूर्णता को पहले से दी गई स्थिति के रूप में अलग करते हैं जैसा कि आप चाहें तो संकेतात्मक रूप में, और कार्य के रूप में जिसे अभी भी प्राप्त किया जाना है या जैसा कि अनिवार्य रूप से कहा जाता है। मसीह अपने चर्च को पूर्णता प्रदान करता है, दोनों एक दी गई स्थिति और एक कार्य के रूप में जिसे पूरा किया जाना है।

प्रभु के रूप में जो अपनी शक्तिशाली उपस्थिति से सभी चीजों को भरता है, वह कलीसिया को परिपूर्णता का दर्जा देता है। कलीसिया उसमें भरी हुई है (कुलुस्सियों 2:10), और कलीसिया उसकी परिपूर्णता है। इफिसियों 1:22.

ये वे संचार स्थितियाँ हैं जो हमने पहले ही प्राप्त कर ली हैं। यह हमारे लिए कोई लक्ष्य नहीं है, यह हमारी पहचान का हिस्सा है। हम चर्च में उसकी पूर्णता का हिस्सा हैं।

फिर भी, उसी समय, मसीह अपने चर्च को एक कार्य के रूप में पूर्णता प्रदान करता है और एक लक्ष्य प्राप्त करता है। पौलुस प्रार्थना करता है कि इफिसियों को परमेश्वर की सारी परिपूर्णता से परिपूर्ण किया जाए। इफिसियों 3:19.

पौलुस का लक्ष्य है कि कलीसिया मसीह की परिपूर्णता के माप तक पहुँच जाए। इफिसियों 4:13. पौलुस में अभी तक जो अंतर नहीं आया है, जैसा कि हमने पहले उल्लेख किया है, वह यह कहने का उसका तरीका है कि मसीही जीवन एक स्व-सहायता कार्यक्रम नहीं है।

यह परमेश्वर के महान उद्धारक कार्यों, आज्ञाओं, परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीने के निर्देशों पर आधारित है। यह परमेश्वर ने अपने पुत्र में हमारे लिए जो कुछ किया है, उसके सांकेतिक कथनों पर आधारित है। दूसरी ओर, परमेश्वर के महान कार्यों के सांकेतिक कथन जो हमारे लिए पहले ही पूरे हो चुके हैं, वे अपने आप में एक लक्ष्य नहीं हैं, बल्कि परमेश्वर आज्ञाओं को प्राप्त करने के लिए संकेत देता है।

वह हमें बताता है कि उसने हमारे लिए क्या किया है ताकि हम पर और हमारे जीवन पर दावा कर सकें ताकि हम उसके लिए अपने पूरे दिल से जी सकें। इसलिए, संकेतात्मक और निर्देशात्मक एक साथ चलते हैं, और शब्दों की यह धारणा, निश्चित रूप से, ग्रीक व्याकरण से व्याकरण स्याही से ली गई है और फिर ईसाई जीवन में धर्मशास्त्र पर लागू होती है। संकेतात्मक और निर्देशात्मक पॉल के सभी पत्रों में हैं।

तो, बहुत सामान्य शब्दों में कहें तो, रोमियों 1 से 11 में संकेतात्मक बातें कही गई हैं, रोमियों 12 से 16 में निर्देशात्मक बातें कही गई हैं, इफिसियों 1 से 3 में संकेतात्मक बातें कही गई हैं, इफिसियों 4 से 6 में निर्देशात्मक बातें कही गई हैं, इत्यादि। यह उनके काम करने का तरीका है। यह बहुत ही ठोस और उत्साहवर्धक है।

तीसरा, मसीह की परिपूर्णता और परिपूर्णता से भरे जाने पर चर्चा करके, हम पहले से ही और अभी तक नहीं में अंतर करते हैं। मसीह में, हम विश्वासियों को पहले से ही ईश्वरीय परिपूर्णता का

दर्जा प्राप्त है, इफिसियों 1:23, कुलुस्सियों 2:10, और हमें परमेश्वर के प्रेम का आश्वासन है। अभी तक हमने इस उच्च दर्जे के अनुरूप जीवनशैली प्राप्त नहीं की है।

कोई मज़ाक नहीं। वाह। तो, यह एक विनम्र शिक्षा है।

हम पहले ही ईश्वरीय पूर्णता की स्थिति प्राप्त कर चुके हैं। सचमुच? हाँ, संकेत में, परमेश्वर की योजना में, और यहाँ तक कि मसीह में परमेश्वर के कार्य में और हमें मसीह से जोड़ने में भी। लेकिन यह अंत नहीं है।

परमेश्वर ने अभी हमारे साथ अपना काम पूरा नहीं किया है। वह हमें यह सच करने की आत्मा देता है, हमें अपने पुत्र से जोड़ता है, और हमें अपने पुत्र के लिए जीने की शक्ति भी देता है। अभी तक हम इस उच्च पद के साथ पूरी तरह से तालमेल बिठाने वाली जीवनशैली नहीं जी पाए हैं।

इसलिए, मसीह की पूर्णता और फिर मसीह में कलीसिया के लिए उनकी शिक्षा कलीसिया को पवित्रता और प्रेम की खोज में अपने पैरों पर खड़े रहने के लिए प्रेरित करती है। एक बहुत ही महत्वपूर्ण पॉलिन विचार जिसका हमने बार-बार सामना किया है वह है अंतर्वास। और अब समय आ गया है कि हम उस शिक्षा को हमारे लिए एक संक्षिप्त दायरे में सारांशित करें, जिसमें अंतर्वास पर पॉल की शिक्षा को एक साथ लाया गया है।

पवित्र आत्मा उद्धारपूर्वक परमेश्वर के लोगों को मसीह से जोड़ता है और उनके साथ एक विशेष संबंध में निवास करता है। मुझे कम से कम 16 जगहें याद हैं जहाँ पौलुस ने वास करने की शिक्षा दी है। रोमियों 5:5 रोमियों 8:9-11 परन्तु यदि मसीह का आत्मा तुम में है, तो यद्यपि देह पाप के कारण मरी हुई है, परन्तु जीवन का आत्मा धार्मिकता के कारण जीवन है।

यदि उसी का आत्मा जिस ने यीशु को मरे हुआओं में से जिलाया तुम में बसा हुआ है; तो जिस ने मसीह यीशु को मरे हुआओं में से जिलाया, वह तुम्हारी मरनहार देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में बसा हुआ है, जिलाएगा। 1 कुरिन्थियों 3:16 1 कुरिन्थियों 6:19-20 इसलिए अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो। 1 कुरिन्थियों 6:19-20 2 कुरिन्थियों 1:21-22 2 कुरिन्थियों 1:21-22 6:16 का 2 कुरिन्थियों 1:21-22 2 कुरिन्थियों 13:5 गलातियों 2:20 गलातियों 3:13-14 गलातियों 4:6 गलातियों 4:7 गलातियों 4:8 गलातियों 5:9 गलातियों 5:10 गलातियों 5:11 इसी कारण, इफिसियों 3:14 और 17, मैं पिता के साम्हने घुटने टेकता हूँ, कि विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदयों में बसे, कि तुम प्रेम में जड़ पकड़ कर और नेव डाल कर, इत्यादि। कुलुस्सियों 1:27, कि परमेश्वर ने उन्हें चुन लिया कि प्रगट करे, कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का धन कैसा बड़ा है, और वह यह है, कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है। कुलुस्सियों 1:27

कुलुस्सियों 3:11, यहाँ न तो यूनानी रहा, न यहूदी, न खतना किया हुआ, न खतनारहित, न जंगली, न स्कूती, न दास, न स्वतंत्र, परन्तु मसीह सब कुछ है और सब में है। कुलुस्सियों 3:11, 1 थिस्सलुनीकियों 4:8, जो कोई इसे अनदेखा करता है, वह मनुष्य को नहीं, परन्तु परमेश्वर को अनदेखा करता है, जो अपना पवित्र आत्मा तुम्हें देता है, 1 थिस्सलुनीकियों 4:8। और अंत में, 2 तीमुथियुस 1:14, पवित्र आत्मा के द्वारा जो हमारे भीतर वास करता है, उस अच्छी जमा राशि की

रक्षा करो जो तुम्हें सौंपी गई है, 2 तीमुथियुस 1:14। ये सभी पौलुस के अंश हैं जो भीतर वास करने की बात करते हैं।

प्रेरित ने कई अलग-अलग अभिव्यक्तियों का उपयोग करके इस सुखद वास्तविकता को दर्शाया है कि त्रिएकता परमेश्वर के लोगों में और उनके साथ, व्यक्तियों के रूप में और कलीसिया के रूप में अपना घर बनाती है। आम तौर पर, पौलुस आत्मा के बारे में बात करता है। वह कहता है कि आत्मा हमारे अंदर निवास करती है या हमें दी गई है, हमारे पास आत्मा है, हम आत्मा को प्राप्त करते हैं, और पिता ने आत्मा को हमारे हृदय में भेजा है।

छह बार, वह पुत्र में वास करने का श्रेय देता है। वह कहता है कि मसीह हमारे अंदर है, हमारे अंदर रहता है, या हमारे दिलों में रहता है। रोमियों 8:10, 2 कुरिन्थियों 13:5, गलतियों 2:20, इफिसियों 3:17, कुलुस्सियों 1:27, और 3:11।

छह बार, पौलुस कहता है कि मसीह हमारे अंदर रहता है। रोमियों 8:10, 2 कुरिन्थियों 13:5, गलतियों 2:20, इफिसियों 3:17, कुलुस्सियों 1:27, और कुलुस्सियों 3:11। दो बार, प्रेरित ने वास करने को परमेश्वर पिता के साथ जोड़ा। वह कहता है कि विश्वासी परमेश्वर के लिए एक मंदिर हैं जो हमारे बीच में रहता है और पिता के लिए निवास स्थान हैं। 2 कुरिन्थियों 6:16, इफिसियों 2:22। इफिसियों 2:22, 2 कुरिन्थियों 6:16। पवित्र आत्मा को परमेश्वरत्व का वह स्वरूप मानकर उसे गौरवपूर्ण स्थान देना सही है जो संतों में वास करता है।

यदि 16 स्थान हैं जहाँ पौलुस मसीहियों के भीतर वास करने की बात करता है, तो उनमें से दो पिता के बारे में बोलते हैं, और उनमें से छह पुत्र के बारे में बोलते हैं, फिर आठ पवित्र आत्मा के बारे में बोलते हैं। पवित्रशास्त्र ऐसा इसलिए करता है क्योंकि आत्मा उद्धार के अनुप्रयोग में प्रमुख प्रेरक है, या दूसरे शब्दों में कहें तो, हमें मसीह से जोड़ने में। अधिकांश अंश आत्मा के भीतर वास करने का श्रेय देते हैं, लेकिन आत्मा के भीतर वास करने को सीमित करना गलत है।

ईसाइयों में पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का वास है। इससे हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए क्योंकि यह पहले से ही त्रिदेवों के रूढ़िवादी सिद्धांत में शामिल है, जिसका मैं सारांश देता हूँ। एक ईश्वर है जो पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के रूप में तीन व्यक्तियों, या विधियों, या चेतना के केंद्रों में अनंत काल तक विद्यमान रहता है।

ये व्यक्ति कभी भी सार रूप में अलग नहीं होते, लेकिन उन्हें अलग-अलग पहचाना जाना चाहिए। तीनों त्रिदेव व्यक्ति परस्पर एक दूसरे में रहते हैं। तीनों व्यक्तियों का संचालन अविभाज्य है।

सार की एकता और तीन व्यक्तियों के संचालन की अविभाज्यता ने हमें व्यवस्थित रूप से निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित किया होगा, भले ही पवित्रशास्त्र ने ऐसा कभी नहीं कहा हो, कि विश्वासियों में त्रिएकत्व का वास है। लेकिन पवित्रशास्त्र ऐसा कहता है। मसीह के साथ एकता के लिए यह अविश्वसनीय परिणाम सुधार के बाद की पीढ़ी में लूथरन और सुधारवादी धर्मशास्त्रियों के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी, यानी, और उसके बाद की पीढ़ी में भी।

हम उन्हें रूढ़िवादी लूथरन और रूढ़िवादी सुधारवादी धर्मशास्त्री कहते हैं। रिचर्ड मुलर की बात सुनें, जिन्होंने सुधार के बाद के रूढ़िवादी, सुधारवादी और लूथरन दोनों के लिए मसीह के साथ एकता की अपनी परिभाषा में अंतर्निवास को शामिल किया है। यह उनके मूल्यवान उपकरण, रिचर्ड ए. मुलर *डिक्शनरी ऑफ लैटिन एंड ग्रीक थियोलॉजिकल टर्म्स* से है, जो मुख्य रूप से प्रोटेस्टेंट स्कोलास्टिक धर्मशास्त्र से लिया गया है, लूथरन और सुधारवादी रूढ़िवादी धर्मशास्त्रियों के बारे में बात करने का एक और तरीका है, यानी लूथर और कैल्विन और ज़िंंगली के बाद की दूसरी पीढ़ी जिन्होंने अपने काम को आगे बढ़ाया और अपने काम को मूल सुधारकों की तुलना में अधिक व्यवस्थित किया।

मुलर ने लिखा है कि "इस प्रकार रूढ़िवादी यूनियो मिस्टिका, रहस्यमय मिलन या मसीह के साथ मिलन को आध्यात्मिक संयोजन, कंजंक्टिओ के रूप में परिभाषित करते हैं स्पिरिचुअलिस, त्रिएक ईश्वर का आस्तिक के साथ और औचित्य के बाद। यह एक ठोस और अनुग्रहपूर्ण रूप से प्रभावी निवास है।" एक बार फिर। "इस प्रकार रूढ़िवादी रहस्यमय मिलन को त्रिएक ईश्वर के आध्यात्मिक संयोजन के रूप में परिभाषित करते हैं, त्रिएक ईश्वर का आस्तिक के साथ और औचित्य के बाद। यह एक ठोस और अनुग्रहपूर्ण रूप से प्रभावी निवास है।"

त्रिएक परमेश्वर और अन्तर्निहित परमेश्वर दोनों पर ध्यान दें। सुसमाचार में विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा मसीह के साथ एक होने का अर्थ है पवित्र त्रिएक का अन्तर्निहित होना।

शुरू से ही, परमेश्वर अपने लोगों के साथ अदन की वाटिका, तम्बू, मंदिर, मसीह के अवतार, परमेश्वर के पुत्र, और अब कलीसिया में रहता था। वास्तव में, जैसे परमेश्वर की उपस्थिति तम्बू और मंदिर को परिभाषित करती है, वैसे ही आत्मा का वास कलीसिया को परिभाषित करता है, जो हर विशेष कलीसिया में सार्वभौमिक है। एक शब्द में, यह परमेश्वर का वास है जो एक कलीसिया को एक कलीसिया बनाता है।

आश्चर्यजनक रूप से, वह प्रत्येक विश्वासी में व्यक्तिगत रूप से निवास करता है और जब वे उसकी आराधना करने के लिए एकत्रित होते हैं, तो सामूहिक रूप से विश्वासियों के भीतर निवास करता है। मैं मसीह के साथ एकता और बाइबिल की कहानी का परिचय देकर हमें अपने अगले व्याख्यान के लिए तैयार करने जा रहा हूँ। मसीह के साथ एकता को तभी ठीक से समझा जा सकता है जब इसे बाइबिल की कहानी के व्यापक दायरे में देखा जाए।

यहाँ उस कहानी के मुख्य अंश दिए गए हैं। एकता और अनंत काल। एकता और सृजन।

संघ और पतन। संघ और अवतार। संघ और मसीह का कार्य।

एकता और नई सृष्टि। मैं बस एक संक्षिप्त अवलोकन करूँगा ताकि हम आने वाली चीज़ों के लिए तैयार हो सकें - एकता और अनंत काल का अतीत।

दो अंशों में, पौलुस सिखाता है कि परमेश्वर ने अपने लोगों को मसीह में उद्धार के लिए चुना है। अर्थात्, उनके उद्धार के लिए परमेश्वर की योजना की शुरुआत से ही, परमेश्वर ने न केवल अपने

लोगों को चुना, बल्कि उसने उन्हें अपने पुत्र से जोड़कर वास्तव में बचाने की योजना भी बनाई। अब, इस सारांश में, अच्छा प्रभु कुछ चरणों को छोड़ रहा है।

जब परमेश्वर किसी व्यक्ति को चुनता है, तो वह अपने बेटे को भी भेजने की योजना बनाता है, जो उसका उद्धार करने का काम करेगा, खास तौर पर मरकर जी उठेगा, जो फिर पिन्तेकुस्त के दिन आत्मा को भेजेगा, जो फिर परमेश्वर के लोगों को प्रभु के साथ जोड़ेगा। इसलिए अनंत काल में भी, मसीह के साथ एकता परमेश्वर के मन में थी क्योंकि चुने हुए लोग उसके मन में थे, और फिर उसने अपने चुने हुए लोगों को, जिन्हें वह पतित मानता है, उद्धार में अपने पास लाने के अपने तरीके निर्धारित किए। और इसका मतलब है मसीह के साथ एकता।

सृष्टि के समय एकता, निश्चित रूप से, सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है हमारा ईश्वर की छवि में बनाया जाना, और यह नए नियम में है कि हम सीखते हैं कि ईश्वर की सच्ची छवि मसीह है। इसलिए सृष्टि के समय ही, यदि आप चाहें तो, ईश्वर ने हमें अपनी छवि में, अर्थात्, सच्ची छवि में, मसीह की छवि में, जो आने वाला था, बनाकर हमें छुटकारे में अपने पुत्र से जोड़ने के लिए आवश्यक संरचनाओं को तैयार कर लिया। एकता और पतन, पतन में कई चीजें शामिल हैं।

बाइबिल के अनुसार, निंदा और भ्रष्टाचार, लेकिन मसीह के साथ एकता के संदर्भ में, यदि हम पतन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो मुख्य जोर हमारे पहले माता-पिता और ईश्वर के बीच पतन-जनित अलगाव पर है। वे जो अपनी सृष्टि के आरंभ से लेकर पतन तक केवल ईश्वर को जानते थे, अब खुद को भटकते हुए पाते हैं, यदि आप चाहें तो उनके साथ एकता और संगति से अलग हो गए हैं। यह मसीह के साथ एकता है, अनंत काल में योजनाबद्ध, सच्ची छवि की छवि में हमारे द्वारा तैयार किया गया, जो स्वयं मसीह की छवि है, पुत्र।

यह मसीह के साथ एकता है, जो परमेश्वर के उद्धार का साधन है, उस अलगाव को पाटना ताकि हम मसीह और परमेश्वर से अलग न रहें बल्कि जुड़े रहें। एकता और अवतार। इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो मसीह के साथ एकता के लिए शाश्वत पुत्र का अवतार बिल्कुल अपरिहार्य है।

जब तक बेटा ईश्वर-मनुष्य नहीं बन जाता, तब तक मसीह के साथ कोई मिलन नहीं हो सकता। इस प्रकार हमारे प्रभु की मानवता ईश्वर और हमारे बीच सेतु है, और इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। 1 तीमुथियुस 2:5 में, पॉल कहते हैं कि एक ईश्वर है और ईश्वर और मनुष्य, ईश्वर और मनुष्य, या मनुष्यों के बीच एक मध्यस्थ है।

एक ईश्वर है और ईश्वर और मानवता के बीच एक मध्यस्थ, मनुष्य, मसीह यीशु। ईश्वर हमारे प्रभु की मानवता को रेखांकित करता है, जो दिव्य और मानवीय दोनों है, ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि यह उसकी मानवता है जो आत्मा को मसीह से जुड़ने के लिए मार्ग प्रदान करती है। हम ईश्वर से जुड़े नहीं हैं, स्वर्ग में पूर्व-अवतार वाले पुत्र से।

हम देहधारी पुत्र से जुड़े हुए हैं, जिसने धरती पर अपना काम किया और जो पवित्र आत्मा द्वारा स्वर्ग में चढ़ गया है, हम जुड़े हुए हैं। मसीह को मरने और फिर से जी उठने और उससे भी अधिक, स्वर्ग में चढ़ने और आत्मा को उंडेलने का अपना काम करना पड़ा, उदाहरण के लिए,

ताकि हम उससे जुड़ सकें। इसलिए यह केवल उसका व्यक्तित्व ही नहीं है जो आवश्यक है, बल्कि उसका उद्धार करने वाला कार्य भी है क्योंकि यह मसीह का कार्य है जिसे आत्मा हम पर लागू करती है जब वह हमें उद्धारकर्ता के साथ एकता में जोड़ता है।

एकता और नई सृष्टि अब पुनर्जन्म में शुरू होती है क्योंकि यीशु जीवित है। अगर हम मसीह से नहीं जुड़े होते तो हम दोबारा जन्म नहीं ले पाते। अगर परमेश्वर मसीह से नहीं जुड़े होते तो हम मसीह से नहीं जुड़ पाते अगर पवित्र आत्मा हमें मसीह से नहीं जोड़ता।

हम मसीह से नहीं जुड़े होते यदि मसीह मनुष्य नहीं बनते। हम मसीह से तब तक नहीं जुड़े होते जब तक कि हम उनकी छवि में नहीं बनाए जाते, और हम मसीह से तब तक नहीं जुड़े होते जब तक कि हम अनंत युगों से पहले मसीह यीशु में अनुग्रह नहीं देते, 2 तीमुथियुस 1:9। अंत में, मिलन और एक नई सृष्टि में न केवल जी उठे मसीह और पवित्र आत्मा के आधार पर पुनर्जन्म शामिल है, जो अपना जीवन बनाते हैं, मिलन और पुनर्जन्म में अपने जीवन को हमारे लिए लागू करते हैं, बल्कि मसीह के साथ मिलन की अंतिम अभिव्यक्ति ब्रह्मांड, स्वर्ग और पृथ्वी की एक नई रचना है, और पुनरुत्थान में परमेश्वर के लोगों की भी और परिवर्तन इस युग में जीवन के लिए उपयुक्त शरीर और व्यक्तियों से लेकर आने वाले युग में जीवन के लिए उपयुक्त शरीर और व्यक्तियों तक का सक्रिय शब्द है। हमारे अगले व्याख्यान में, हम मसीह और बाइबिल की कहानी के साथ मिलन की इस रूपरेखा का विस्तार से अनुसरण करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन और पवित्र आत्मा तथा मसीह के साथ एकता पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 18 है, पॉल में मसीह के साथ एकता, चित्र और विषय, विवाह, नया वस्त्र, भरा हुआ और निवास।